No. of Printed Pages : 4

MEC-006(S)

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

00020

June, 2017

MEC-006(S) : PUBLIC ECONOMICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per the instructions given.*

SECTION A

*Answer any **two** questions from this section in about 500 words each.* *2×20=40*

1. What do you understand by the problem of "coordination" in policy process ? Explain reasons behind "coordination failure".

2. How can a tax system be evaluated ? Why are tax reforms desirable ?

3. What do you understand by public good ? What are its implications on market failure ?

4. What are the basic elements of fiscal policy in federal countries ? Why do vertical and horizontal imbalances arise and how are these problems resolved ?

SECTION B

*Answer any **five** questions from this section in about 300 words each.* *5×12=60*

5. Explain how fiscal competition is wasteful and results in inefficient system.

6. Examine capital levy in terms of equity, efficiency and administrative complexity.

7. What are the impacts of public debt on resource allocation and national income ?

8. Differentiate between plurality voting and point voting. Explain why legislators resort to logrolling.

9. What is the difference between Horizontal and Vertical equity ?

10. Compare Rawls' theory with Nozick's theory of justice.

11. What has been the importance of direct taxes in the Central government revenue in India ? Do you think reforms in direct taxes have yielded desirable results ?

12. What do you mean by fiscal policy ? Compare its efficacy during recession times with monetary policy.

एम.ए. (अर्थशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2017

एम.ई.सी.-006(S) : लोक अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दिए गए निर्देशानुसार प्रत्येक खण्ड से प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

*इस खण्ड से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *2×20=40*

1. नीति निर्माण प्रक्रिया में "समायोजन" की समस्या से आप क्या समझते हैं ? "समायोजन की विफलता" के लिए उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

2. एक कर प्रणाली का मूल्यांकन किस प्रकार किया जा सकता है ? कर सुधारों की आवश्यकता क्यों है ?

3. सार्वजनिक वस्तु से आप क्या समझते हैं ? बाज़ार विफलता के सम्बन्ध में इसके निहितार्थ क्या हैं ?

4. संघीय राष्ट्रों में राजकोषीय नीति के आधारभूत तत्त्व क्या हैं ? लंबवत् और क्षैतिज असंतुलन क्यों उत्पन्न होते हैं और इन समस्याओं को किस प्रकार दूर किया जा सकता है ?

खण्ड ख

*इस खण्ड से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *5×12=60*

5. स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार राजकोषीय प्रतिस्पर्धा व्यर्थ है और यह एक अकुशल तंत्र में प्रतिफलित होती है ।

6. समता, कुशलता और प्रशासनिक जटिलताओं के सम्बन्ध में पूँजी करारोपण को स्पष्ट कीजिए ।

7. संसाधनों के आबंटन और राष्ट्रीय आय पर सार्वजनिक ऋण के क्या प्रभाव होते हैं ?

8. भारमान प्रतिमान (Plurality voting) और वरीयता गहनतांक मतदान विधि (Point voting) के मध्य अंतर को स्पष्ट कीजिए । स्पष्ट कीजिए कि क्यों विधायक मतों के क्रय-विक्रय अथवा सौदेबाजी में संलिप्त होते हैं ?

9. क्षैतिज और लंबवत् समता के मध्य क्या अंतर है ?

10. नॉज़िक द्वारा प्रदत्त न्याय के सिद्धांत से रॉल्स के सिद्धांत की तुलना कीजिए ।

11. भारत में केंद्र सरकार की आय में प्रत्यक्ष करों का क्या महत्त्व रहा है ? क्या आप सोचते हैं कि प्रत्यक्ष करों में सुधारों के वाँछित परिणाम मिले हैं ?

12. राजकोषीय नीति से आपका क्या तात्पर्य है ? मंदी के समय में राजकोषीय नीति की प्रभावशीलता की तुलना मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता से कीजिए ।